धार्मिक उल्लास और भक्ति भरे माहौल में हुई गोवर्धन पूजा, सजी श्रद्धा की रंगोली

▶ गायों को खिलाया गौ ग्रास, जगह-जगह हुए अन्नकूट, भगवान श्रीकृष्ण को लगाया भोग

नव भारत न्यूज

इंदौर. पांच दिवसीय दीपावली त्योहार के चलते भक्ति के माहौल में बुधवार को शहर में जगह-जगह गोवर्धन पूजा का उल्लास छाया रहा. जगह-जगह गोवर्धन पर्वत के प्रतीक स्वरूप गोबर से प्रतिमा बनाकर श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना की, वहीं प्रतिमा की परिक्रमा कर मन्नतें मांगी. दूसरी ओर मंदिरों के अलावा कॉलोनियों में श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना कर अन्नकूट का भोग लगाया. इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने गौशालाओं में पहुंचकर गौ ग्रास कराया तथा गौमाता की पूजा-अर्चना की.

बुधवार को सुबह से ही शहर के कई मंदिरों में भक्तों की भीड़ उमड़ी, श्रीकृष्ण मंदिर, अन्नपूर्णा मंदिर, खजराना गणेश मंदिर और बाणगंगा सहित शहर के अन्य मंदिरों में विशेष सजावट की गई. अन्नकूट का आयोजन कर भगवान को भोग लगाकर प्रसाद वितरित किया गया. इस दौरान मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही. कई कॉलोनियों में रहवासियों और सामाजिक संगठनों ने भी अन्नकूट महोत्सव का आयोजन किया. खजराना, सुखलिया, विजय नगर, स्कीम-54, नंदानगर, राऊ सहित शहर भर में कई स्थानों पर सामूहिक पूजन और भजन-संकीर्तन के साथ श्रद्धालुओं ने पर्व मनाया. बच्चों और महिलाओं ने रंगोली और दीपों से गोवर्धन पर्वत की प्रतिकृति की सजावट कर उत्सव को और आकर्षक बना दिया.

क्यों की जाती है गोवर्धन पूजा

विद्वानों के अनुसार गोवर्धन पूजा की परंपरा भगवान श्रीकृष्ण द्वारा इंद्रदेव के अहंकार को दूर करने की कथा से जुड़ी है. यह पर्व प्रकृति संरक्षण और अन्न के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक माना जाता है. इस दौरान कई मंदिरों में जहां अन्नकूट व भजन-पूजन के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है, वहीं घरों के बाहर और सार्वजनिक स्थलों पर भी गोवर्धन पर्वत की प्रतिकृति बनाकर उसकी पूजा अर्चना की जाती है. इस दौरान महिलाएं पारंपरिक परिधान पहनती हैं. जगह-जगह प्रसाद वितरण और आकर्षक दीपों से सजावट की जाती है.

एक नजर में

इंग्लैंड की महिला क्रिकेट टीम पहुंची स्पोर्ट्स एरीना

इंदौर. नेमावर रोड स्थित वीनस स्पोर्ट्स एरीना पर इंग्लैंड की महिला क्रिकेट टीम ने अपने कोच जॉन मिशेल एवं कप्तान स्किवर ब्रंट के साथ करीब 2 घंटे तक वहां की खेल गतिविधियों का जायज़ा लिया और भारतीय उत्सवी परंपराओं से लेकर शहर की खेल संस्थाओं के बारे में पूरी दिलचस्पी से बहुत सी जानकारियां भी प्राप्त की तथा इंदौर की स्वच्छता एवं खेल भावना की भी भरपूर प्रशंसा की. वीनस स्पोर्ट्स एरीना की ओर से सुरेश अग्रवाल, नीरज-धीरज अग्रवाल, जतिन अग्रवाल, लक्ष्य एवं हर्षिता अग्रवाल ने सभी खिलाडियों की अगवानी कर भारतीय परंपरा के अनुरूप उनका स्वागत कर उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट किए. कोच जॉन मिशेल एवं कप्तान ब्रंट ने अपने साथ आए टीम के सभी खिलाड़ियों सहित बल्ले पर ऑटोग्राफ भी दिए और पिकल बॉल और पैडल सहित कुछ समय क्रिकेट और फुटबॉल का भी आनंद लिया. सुबह 11.30 से दोपहर 1.30 बजे तक, दो घंटे की इस खुशनुमा मुलाकात में सभी खिलाड़ियों ने नाश्ते और कॉफ़ी की चुस्कियों के बीच स्वच्छ इंदौर की प्रशंसा भी की. इस दौरान विभिन्न खेल संगठनों सहित बढ़ी संख्या में खेल प्रेमियों का हुजूम उनकी एक झलक पाने के लिए विनस एरिना पर उमड़ता रहा.

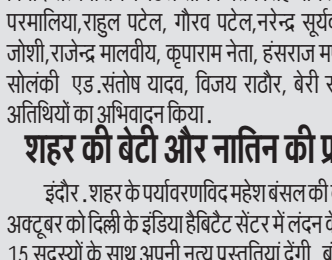

धोक पड़वा पर दिवाली मिलन समारोह

इन्दौर. धोक पढवा पर पटेल परिवार द्वारा दिवाली मिलन समारोह आयोजित किया गया. इस अवसर पर पूर्व मंत्री स्व.श्री रामेश्वर पटेल के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की गई, समारोह में अ.भा.कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव व पूर्व विधायक सत्यनारायण पटेल ने सभी आगंतुको का अभिवादन किया और दिपावली की शुभकामनाए दी गई. कलोता समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष राधेश्याम पटेल ने सभी को धोक पढवा की बधाई दी. इस अवसर पर गीतारामेश्वरम ट्रस्ट की ओर से अध्यक्ष विनोद सत्यनारायण पटेल सचिव चेतन सिंह चौधरी, सर्व समाज, समाज सेवी मदन परमालिया,राहुल पटेल, गौरव पटेल,नरेन्द्र सूर्यवंशी, जगदीश जोशी, मिथिलेश जोशी,राजेन्द्र मालवीय, कृपाराम नेता, हंसराज मण्डलोई, गणेश वर्मा, पार्षद सीमा सोलंकी एड.संतोष यादव, विजय राठौर, बेरी राठौर,मनीष पटेल आदि ने आए अतिथियों का अभिवादन किया.

शहर की बेटी और नातिन की प्रस्तुति कल दिल्ली में

इंदौर. शहर के पर्यावरणविद महेश बंसल की बेटी स्वाति और नातिन अनवी 24 अक्टूबर को दिल्ली के इंडिया हैबिटैट सेंटर में लंदन के अरुणिमा कुचिपुड़ी डांस ग्रुप के 15 सदस्यों के साथ अपनी नृत्य प्रस्तुतियां देंगी. बंसल ने बताया कि लंदन के प्रसिद्द अरुणिमा कुमार नृत्य समूह को ब्रिटेन का सर्वोच्च साम्राज्य पदक (बी ई एम) मिल चुका है. इस ग्रुप की प्रमुख अरुणिमा के नृत्य समूह में उनकी बेटी स्वाति और नातिन अनवी भी शामिल हैं, जो 24 अक्टूबर, शुक्रवार की शाम 7 बजे से दिल्ली के इंडिया हैबिटैट सेंटर के सभागृह में अपनी प्रस्तुतियां देंगे। स्वाति ने इंदौर के जीएसआईटीएस से इंजीनियरिंग (बीई) एवं आई आई एम बंगलुरु से एम बी ए की उपाधि प्राप्त की है. वे अब ब्रिटेन में ही सेवारत हैं और अरुणिमा कुमार डांस ग्रुप के सदस्य के रूप में अपनी प्रस्तुतियां देने दिल्ली आ रही हैं. उनकी बेटी अनवी भी इसी ग्रुप की सदस्य हैं. इंदौर के अनेक परिजन एवं स्नेहीजन उनकी प्रस्तुतियों के साक्षी बनने दिल्ली जा रहे हैं.

भगवान महावीर स्वामी का निर्वाण दिवस मनाया

महू. दिगंबर जैन समाज द्वारा 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी का निर्वाण दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया. इस दौरान चल समारोह निकाला गया और मंदिरों में निर्वाण लाडू चढ़ाने के साथ ही शिखर की ध्वजा भी बदली गई. चल समारोह की शुरुआत सुबह 7 बजे जैन गली स्थित बड़े मंदिर से हुई. यह सांघी स्ट्रीट, दाना गली चौराहा, कोतवाली चौक होकर मेन स्ट्रीट पहुंचा. इसके बाद वापस इसी मार्ग से प्लाउडन रोड स्थित जैन धर्मशाला पर समाप्त हुआ. इस दौरान चारों मंदिर बड़े मंदिर, चैत्यालय मंदिर, तेरापंथी मंदिर, अजमेरी मंदिर में लाडू चढ़ाए गए. मंदिरों के शिखर की ध्वजा भी बदली गई. कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाजबंधु शामिल हुए.

नाम परिवर्तन सूचना

मैं **भरत पिता रमेशचंद्र प्रजापति** निवासी रंगवासा राऊ जिला इंदौर, आयु-31 वर्ष ने शपथ पत्र क्रमांक 1, दिनांक 15/10.2025 के अनुसार अपना नाम **भरत** से **भरत प्रजापति** में बदल लिया है, अब सभी भविष्य के कार्यों के लिए मैं **भरत प्रजापति** के नाम से जाना जाऊंगा।

भरत प्रजापति

छाया रहा धोक पड़वा का उत्साह, घर-घर जाकर लिया बड़ों का आशीर्वाद

महू. एक ओर जहां देश में परंपराओं का निर्वहन खत्म होता जा रहा है, वहीं महू शहर में आज भी इन परंपराओं को बड़े उत्साह से निभाया जाता है. जहां पांच दिनों तक चलने वाले दीपोत्सव में दिपावली को मुख्य माना जाता है और साल भर तक उत्साह के साथ लोग इस त्योहार की प्रतिक्षा करते हैं, परंतु महू एक ऐसी जगह है, जहां लोग दीवाली से ज्यादा दीवाली के दूसरे दिन मनाए जाने वाले धोक पड़वा का इंतजार करते हैं.

महू में मनाई जाने वाली धोक पड़वा पूरे भारत वर्ष में प्रसिद्ध है. महू के लोग चाहे वो विदेश में क्यों ना हों, इस दिन यहां पहुंचते हैं. इस पर्व के दिन लोग घर-घर जाकर बड़ों के पैर छूकर आशीर्वाद लेते हैं और बराबरी के लोग गले मिलकर एक-दूसरे को पर्व की बधाई और शुभकामनाएं देते हैं. लोग एक दूसरे

का मुंह मीठा कराकर और भेंट देकर पर्व को उत्साह से मनाते हैं.

धोकपड़वा पर्व से राजनीति भी अछूती नहीं- महू में मनाए जाने वाले धोकपड़वा पर्व से राजनीति भी अछूती नहीं है. क्षेत्रीय विधायक उषा ठाकुर भी महू पहुंची और लोगों से आशीर्वाद लिया. वहीं, नगर भ्रमण में मुख्य रूप से सेवादल प्रदेश अध्यक्ष योगेश यादव, जिला कांग्रेस अध्यक्ष विपिन वानखेड़े, वरिष्ठ कांग्रेस नेता कैलाशदत्त पांडे, जिला पंचायत सदस्य कन्हैयालाल ठाकुर, मुजीब कुरैशी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु और राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं ने उपस्थित होकर दीप उत्सव की शुभकामनाएं दीं.

सामूहिक रंगोली प्रतियोगिता हुई आयोजित

पूरे शहर में सामूहिक रंगोली प्रतिस्पर्धा का भी आयोजन किया जाता है. जिसमें सामाजिक संस्थाएं भी भाग लेती हैं और चयनित कलाकारों को पुरस्कृत भी किया जाता है. जुगनू जादवसिंह धनावत ने बताया कि इस बार भी महू की ऐतिहासिक परंपरा धोक पड़वा पर रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया इसमें भाग लेने वाले कलाकारों को पुरस्कृत किया.

गोवर्धन पूजा महोत्सव भी धूमधाम से मनाया - मोती महल स्थित मोहन मार्ग पर निम परिवार द्वारा गोवर्धन पूजा की गई. इस दौरान समाज की महिलाओं ने गोबर से भगवान गोवर्धन की प्रतिमा बनाकर आकर्षक रूप से सजाया. इसके पश्चात विधि विधान से पूजा की गई. वहीं, इस वर्ष भी ग्वाल वंश अहीर यादव समाज राधाकृष्ण मंदिर पर गोवर्धन पूजा हर्षोउल्लास के साथ की गई. समाज के अध्यक्ष प्रकाश यादव ने बताया कि गोवर्धन पूजा महोत्सव यादव समाज की परंपरागत पूजा है. पूजा के पश्चात आतिशबाजी की गई और ढोल नगाड़े के साथ गोवर्धन पर्वत और गौमाता की महाआरती की गई. इस अवसर पर समाज के मार्गदर्शक सुरेश यादव मंगल, वरिष्ठ हजारीलाल यादव, उपाध्यक्ष राजू यादव, कोषाध्यक्ष सुशील यादव, नरेंद्र कौशिक, प्रभात यादव, प्रदीप यादव, प्रेम यादव, अजय यादव, निहार यादव, अनुज यादव, राजेश यादव, युवराज यादव, फूलचंद यादव आदि मौजूद थे. कार्यक्रम के अंत में आभार युवा यादव महासभा के महामंत्री मोंटू यादव ने माना.

गोशाला में महिलाओं ने की वेद मंत्रों के बीच पूजा

इदौर. दीपावली गोवर्धन पूजा के पावन पर्व पर बाणगंगा स्थित महाराणा प्रताप गोशाला में गोवर्धन पर्वत बनाकर वेद मंत्रों के बीच पूजा की. नीलम दुबे ने बताया कि गोवर्धन पूजा के अवसर पर सुबह महिलाओं ने गोबर से गोवर्धन पर्वत की प्रतिकृति बनाई. वेद मंत्रों के बीच विधि विधान से पूजा कर आरती की. गोवर्धन पूजा का पर्व पर्यावरण को सुरक्षित रखने का संदेश देता है. गोशाला में सभी माता का पूजन वेद मंत्रों के बीच किया. इस अवसर महाराणा प्रताप गोशाला सेवा समिति अध्यक्ष नीलम दुबे, पद्मकर भोजने, सतीश दुबे, जगदीश दवे, विनय सोनी, प्रकाश सावरे, संजय राठौड़, पवन अग्रवाल, सचिन राठौड़, नीलेश बेश, यश गर्दे, सिंधु महेस, सावलानी, गणेश पवार, पंकज चौबे, अनुज तोमर, आकाश चौरसिया, आरती पवार, सरिता गर्दे, लीला यादव, चंदा भदौरिया, ऋतु श्रीवास्तव, जय श्री सहित अन्य मौजूद थे.

गोमाता के साथ महालक्ष्मी पूजन किया

इंदौर. दीपावली पर महालक्ष्मी पूजन के साथ गोमाता का पूजन हेतु कामधेनु सेवा समिति द्वारा फूटी कोठी स्थित श्री कृष्ण गौशाला में गोभक्त राजेंद्र असावा ने समिति की ओर से प्रात: कालीन बेला में गोमाता पुजन आरती एवं गोग्रास के साथ श्री सुक्त के पाठ द्वारा अक्षत से अभिषेक कर महालक्ष्मी की आरती करके गोमाता से आशीर्वाद प्राप्त किया. बुरहानुद्दीन शकरुवाला ने कहा कि इस अवसर पर श्याम पोरवाल, राजेन्द्र मुंजे, लक्ष्मीनारायण मेड़तवाल, सुधीर अग्रवाल, मनोज अग्रवाल, हरीश थोरात, गोपालदास राठी, राजगोपाल मानधन्या, अनिल माहेश्वरी, संतोष चौबे, बाबूलाल अग्रवाल, नवनीत लाहोटी, बुरहानुद्दीन शकरुवाला, निर्मल जैन, सहित बड़ी संख्या में गोभक्त उपस्थित थे. गोमाता की पूजा पं. संदीप पाराशर ने संपन्न करवाई. इस अवसर पर गोशाला में कार्यरत गौसेवकों को आवश्यक सामग्री समिति की ओर से भेंट की.

एक नजर में

महावीर बाग में पांच हजार से अधिक समाज बंधु शामिल हुए महामांगलिक के दिव्य अनुष्ठान में

संत-विद्वान संस्कारित समाज की आधारशिला रखते हैं : विश्वरत्न सागर

इंदौर. आज मानवता के सामने अनेक तरह की चुनौतियाँ सिर उठाए खड़ी हैं. भौतिक आपाधापी के इस दौर में समूचा विश्व और मानव समाज अनेक मानसिक भटकावों से गुजर रहा है. जिन शासन ने समूचे विश्व को त्याग, सेवा और तपस्या का मार्ग दिखाया है. आज भी हमारे धर्मग्रंथों में इतनी संपन्नता और समृद्धि है कि हम पूरे विश्व को सत्य, अहिंसा और साधना के पथ पर आगे बढ़ा सकते हैं. हमारे संत और विद्वान हमेशा समाज के कल्याण और अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति का चिंतन कर एक सभ्य और संस्कारित समाज की आधारशिला रखते हैं.

ये विचार हैं जैनाचार्य विश्वरत्न सागर और आचार्य मृदुरत्न सागर के जो उन्होंने एयरपोर्ट रोड स्थित महावीर बाग पर अर्बुद गिरिराज जैन श्वेताम्बर तपागच्छ उपाश्रय ट्रस्ट, समग्र जैन श्वेतांबर श्री संघ एवं जैन श्वेताम्बर मालवा महासंघ के तत्वावधान में आयोजित महामांगलिक के दिव्य एवं नए वर्ष के प्रथम अनुष्ठान के दौरान उपस्थित श्रावक-श्राविकाओं के सैलाब को आशीर्वचन देते हुए व्यक्त किए. मालवा भूषण, तप सम्राट, ब्रह्मलीन नवरत्न सागर की प्रेरणा से आयोजित इस अनुष्ठान के लाभार्थी दिलीप-आशा जैन, ललित-अनिता जैन, कल्पना-दिनेश बाफना , श्रीमती प्रेमलता-स्व. पुखराज सुराना, आनंदी लाल ङ्क श्यामा, मनीष-जया सुराना रहे. प्रारंभ में आयोजन समिति की ओर से चातुर्मास संयोजक पुण्यपाल सुराना, कैलाश नाहर. ललित सी. जैन. मनीष सुराना, दिलसुखराज कटारिया, प्रीतेश ओस्तवाल, दिलीप मंडोवरा, दीपक सुराना ने सभी साधु-साध्वी-भगवंतों की अगवानी की.

जीवन को संवारने के मंत्र बताए

महामांगलिक में विश्वरत्न सागर के साथ गणिवार्य कीर्तिरत्न सागर .एवं मुनि प्रवर उत्तम रत्न सागर ने भी जीवन को संवारने के अनेक महामंत्र बताए. इसके पूर्व स्वामी वात्सल्य में सुबह-दोपहर, दोनों समय पांच-पांच हजार से अधिक समाज बंधुओं ने भाग लिया. शहर के अनेक जैन श्रीसंघों के प्रतिनिधि एवं पदाधिकारी भी मौजूद रहे. उल्लेखनीय है कि गत 6 अक्टूबर से जैनाचार्य विश्वरत्न सागर पीपली बाजार उपाश्रय में 16 दिवसीय सूरी मंत्र साधना में मोन रहे, जिसकी पूर्णाहुति के साथ बुधवार को यह महामांगलिक अनुष्ठान संपन्न हुआ.